शैक्षिक सत्र–2025–26
(37)–ट्रेड–खुदरा व्यापार (Retail Trading)
कक्षा– 12

पूर्णांक : 60

पाठ्यक्रम :–

इस ट्रेड में तीन–तीन घण्टे के पाँच प्रश्न–पत्र और प्रयोगात्मक परीक्षा हैं। अंकों का विभाजन निम्नवत् है :–

(अ) सैद्धान्तिक

प्रथम प्रश्न–पत्र–खुदरा व्यापार का परिचय	–60	300
द्वितीय प्रश्न–पत्र–उत्पाद एवं उपभोक्ता सेवायें	–60	
तृतीय प्रश्न–पत्र–खुदरा व्यापार में भण्डारण एवं आपर्ति	–60	
चतुर्थ प्रश्न–पत्र–अर्थ व्यवस्था में खुदरा व्यापार	–60	
पंचम प्रश्न–पत्र–बहीखाता एवं लेखा शास्त्र	–60	

(ब) प्रयोगात्मक

(क) आन्तरिक परीक्षा	–200	400
(ख) वाह्य परीक्षा	200	

परीक्षार्थी को प्रत्येक प्रश्न–पत्र में उत्तीर्णांक न्यूनतम 20 अंक तथा प्रयोगात्मक परीक्षा में 200 अंक पाना आवश्यक है।

नोट :– सैद्धान्तिक प्रश्न–पत्र में 33 प्रतिशत उत्तीर्णांक हैं तथा प्रयोगात्मक परीक्षा में 50 प्रतिशत अंक पाना आवश्यक है।

पाठ्यक्रम की उपयोगिता–

खुदरा व्यापार का देश की आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण स्थान है। छात्र–छात्राओं को खुदरा व्यापार के आशय एवं उपयोगिता तथा विभिन्न पहलुओं पर जानकारी देना शैक्षिक पाठ्यक्रम के लिए अति आवश्यक है। पाठ्यक्रम की उपयोगिता हेतु निम्न बिन्दु महत्वपूर्ण हैं–

1–छात्र–छात्राओं को विक्रय कला की जानकारी।
2–नये उत्पाद का प्रचार–प्रसार करने के कौशल का विकास
3–वस्तु की मांग उत्पन्न करने की तरीकों की जानकारी देना
4–उपभोक्ताओं की रुचि, आदत एवं फैशन आदि की जानकारी
5–एक अच्छे विक्रेता के रूप में छात्रों को तैयार करना।

उद्देश्य–

खुदरा व्यापार के अध्ययन का मुख्य उद्देश्य छात्र–छात्राओं में एक अच्छे व्यापारी के गुणों का विकास करना तथा इससे भविष्य में स्वरोजगार स्थापित करने में सहायता मिलें उनके व्यक्तित्व का विकास करना अच्छे बिक्रय करने की जानकारी देना। प्रतिस्पर्धात्मक व्यापार मे अपने कौशल एवं साहस से सामना करना तथा दिन–प्रतिदिन विकास करने में दक्ष होना।

प्रथम प्रश्न–पत्र
खुदरा व्यापार का परिचय

पूर्णांक : 60

इकाई–1 **20 अंक**

(क) खुदरा व्यापार का अर्थ एवं परिभाषा।
(ख) खुदरा व्यापार की विशेषतायें।
(ग) खुदरा व्यापार के गुण एवं दोष।
(घ) खुदरा व्यापार का महत्व।

इकाई–2 **20 अंक**

(क) खुदरा व्यापार के स्वरूप।
- (अ) छोटे पैमाने के खुदरा व्यापार।
  - (क) फेरी वाले।
  - (ख) एक मूल्य की दुकानें।
  - (ग) साधारण दुकानें।
- (ब) बड़े पैमाने की खुदरा व्यापार।
  - (क) सुपर बाजार।

(ख) विभागीय भण्डार।
(ग) श्रृंखलाबद्ध दुकानें।
(घ) उपभोक्ता सहकारी भण्डार।
(ङ) डाक द्वारा व्यापार।
(च) इन्टरनेट द्वारा व्यापार।
(छ) विक्रय मशीन।
(ज) किराया कर पद्धति।
(झ) किस्त भुगतान पद्धति।

इकाई–3 | 20 अंक

फुटकर व्यापार की सेवायें–

(क) उत्पादकों के प्रति सेवायें।
(ख) थोक व्यापारियों के प्रति सेवायें।
(ग) उपभोक्ता एवं समाज के प्रति सेवायें।

द्वितीय प्रश्न–पत्र
उत्पाद एवं उपभोक्ता सेवायें

पूर्णांक : 60

इकाई–1 | 20 अंक

(क) बाजार का अर्थ एवं परिभाषा।
(ख) बाजार के प्रकार।
  (अ) पूर्ण प्रतियोगिता की दशा में।
  (ब) अपूर्ण प्रतियोगिता की दशा में।
  (स) एकाधिकार की दशा में।
(ग) मूल्य निर्धारण–
  (अ) पूर्ण प्रतियोगिता की दशा में।
  (ब) अपूर्ण प्रतियोगिता की दशा में।
  (स) एकाधिकार की दशा में।

इकाई–2 | 20 अंक

(क) खुदरा व्यापार में विपणन की भूमिका।
(ख) विपणन की उत्पत्ति एवं परिभाषा।
(ग) विपणन के लक्षण।
(घ) विपणन का महत्व।
(ङ) विपणन का सिद्धान्त।
(च) उत्पाद एवं सेवा विपणन में अन्तर।

इकाई–3 | 20 अंक

(क) विज्ञापन का अर्थ एवं परिभाषा।
(ख) विज्ञापन के प्रकार।
(ग) विज्ञापन का महत्व।
(घ) खुदरा व्यापार में विज्ञापन का महत्व।

तृतीय प्रश्न–पत्र
खुदरा व्यापार में भण्डारण एवं आपूर्ति

पूर्णांक : 60

इकाई–1 | 20 अंक

(क) भण्डार गृह की स्वच्छता।
(ख) स्वच्छता की आवश्यकता।
(ग) स्वच्छता का महत्व।
(घ) स्वच्छता हेतु उपयोग में आने वाले उपकरण।
(ङ) स्वच्छता एवं स्वास्थ्य में सम्बन्ध।

इकाई–2 | 20 अंक

(क) भण्डार गृहों के सुरक्षात्मक उपायों का अनुरक्षण।
(ख) भण्डार गृहों के सम्भावित खतरे।
(ग) सुरक्षात्मक उपाय।

(घ) सुरक्षा की आवश्यकता।
(ङ) सुरक्षात्मक उपायों हेतु प्रशिक्षण।

इकाई–3 **20 अंक**

(क) आपूर्ति श्रृंखला प्रबन्धन।
(ख) आपूर्ति श्रृंखला प्रबन्धन की संरचना।
(ग) खुदरा वितरण माध्यम।
(घ) मांग पूर्वानुमान।
(ङ) सामग्री प्रबन्धन।
(च) सामग्री आपूर्ति श्रृंखला एवं प्रौद्योगिकी।

चतुर्थ प्रश्न–पत्र
अर्थ व्यवस्था में खुदरा व्यापार

पूर्णांक : 60

इकाई–1 **20 अंक**

(क) रोजगार का आशय।
(ख) खुदरा व्यापार में रोजगार की सम्भावना।
(ग) खुदरा व्यापार में रोजगार के आवश्यक पात्रता/दक्षता।
(घ) खुदरा व्यापार में कार्यरत कार्मिकों के कार्य एवं उत्तरदायित्व।

इकाई–2 **20 अंक**

(क) संचार का अर्थ एवं परिभाषा।
(ख) संचार चक्र।
(ग) संचार के विभिन्न तत्व।
(घ) संचार में बाधायें।
(ङ) खुदरा व्यापार में संचार का महत्व।

इकाई–3 **20 अंक**

(क) सूचना प्रौद्योगिकी का आशय।
(ख) खुदरा व्यापार में सूचना प्रौद्योगिकी का महत्व।
(ग) सूचना प्रौद्योगिकी की प्रयुक्त तकनीकियाँ (ई0सी0एस0, क्रेडिट कार्ड, डेविट कार्ड, आनलाइन खरीददारी एवं भुगतान)

पंचम प्रश्न–पत्र
बहीखाता एवं लेखाशास्त्र

पूर्णांक : 60

इकाई–1 **खाता बही एवं तलपट** **20 अंक**

(क) खाता बही की आवश्यकता एवं अर्थ।
(ख) लेखों को खतियाना।
(ग) खातों की बाकी निकालना।
(घ) तलपट का अर्थ।
(ङ) तलपट बनाने की विधियाँ।
(च) तलपट द्वारा प्रकट होने वाली एवं न प्रकट होने वाली अशुद्धियाँ।
(छ) उचन्त खाता।

इकाई–2 **अन्तिम खाता समायोजनाओं सहित** **20 अंक**

(क) अन्तिम खाते का आशय।
(ख) प्रमुख समायोजनायें।
(ग) व्यापार खाता (समायोजना सहित)।
(घ) लाभ–हानि खाता (समायोजना सहित)।
(ङ) आर्थिक चिट्ठा (समायोजना सहित)।

इकाई–3 **भारतीय बहीखाता प्रणाली** **20 अंक**

(क) भारतीय बहीखाता प्रणाली का अर्थ।
(ख) विशेषतायें।
(ग) लाभ–दोष।
(घ) प्रमुख बहियाँ–कच्ची रोकड़ बही, पक्की रोकड़ बही, जमा नकल बही व नाम नकल बही।

प्रयोगात्मक

खुदरा व्यापार निर्माताओं, उत्पादकों एवं थोक व्यापारियों को उपभोक्ता से जोड़ने की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। खुदरा व्यापार का भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास में महत्वपूर्ण योगदान है। खुदरा व्यापार में व्यापारी का उपभोक्ता से सीधा सम्बन्ध होने के कारण उपभोक्ता के रुचि, आय, फैशन आदि की जानकारी प्राप्त करके उत्पादकों को अपने उत्पाद का पैमाना निर्धारित करने में सहयोग प्रदान करता है और वहीं दूसरी ओर नये–नये उत्पाद की जानकारी अपने महत्वपूर्ण विक्रय कला कौशल के आधार पर उपभोक्ता तक पहुँचाता है और वस्तु की मांग उत्पन्न करता है।

खुदरा व्यापार का प्रयोगात्मक स्वरूप

1–छात्र–छात्राओं को शहर के प्रतिष्ठित खुदरा व्यापार केन्द्र में भ्रमण कराना।
2–छात्र–छात्राओं को विज्ञापन के नये–नये तकनीकियों से अवगत कराना।
3–छात्र–छात्राओं को वस्तुओं के सुरक्षित रख–रखाव के तकनीक का ज्ञान देना।
4–छात्र–छात्राओं को वस्तु के बिक्रय का दीर्घकालिक लाभ के विषय में सोचने तथा व्यापार में ग्राहकों की संख्या बढ़ाने के तकनीक पर विचार करना।
5–कम लाभ पर अधिक बिक्रय बढ़ाने की कला को विकसित करना।
6–छात्र–छात्राओं को व्यापार के अनुचित एवं फिजूल खर्चे रोकने तथा न्यूनतम लागत के आधार पर व्यापार चलाने का प्रशिक्षण देना।
7–छात्र–छात्राओं को विभिन्न प्रकार के खुदरा व्यापार से सम्बन्धित सरकारी नियमों एवं लाइसेंन्सिंग की जानकारी देना।
8–छात्र–छात्राओं को खुदरा व्यापार से सम्बन्धित विभिन्न वस्तुओं के सम्बन्ध में राष्ट्रीय नीति की भी जानकारी देना।
9–अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के सम्बन्ध में छात्र–छात्राओं को ज्ञान कराना तथा आयात निर्यात नीति की भी जानकारी देना।
10–छात्र–छात्राओं को व्यापार के उतार–चढ़ाव के प्रभाव एवं दुष्प्रभाव से निपटने की क्षमता को विकसित करना।

नोट :–

वर्ष के दौरान आन्तरिक एवं वाह्य परीक्षा के अन्तर्गत छात्र–छात्राओं से निम्न कार्य कराये जायें–

1–छात्र–छात्राओं से प्रोजेक्ट कार्य कराकर उसकी फाईल बनायें।
2–चार्ट के माध्यम से प्रस्तुतीकरण करना।
3–छात्र–छात्राओं द्वारा मॉडल भी बनवाया जाये।
4–छात्र–छात्राओं से किसी नये उत्पाद के विज्ञापन की तकनीकियाँ प्रस्तुत करने की विधि पर डिबेट कराया जाये।
5–नये उत्पाद को बाजार में छात्र–छात्राओं से उपभोक्ताओं को जानकारी दिलवाना।
6–बाजार सर्वेक्षण कराकर उपभोक्ता की रुचि, आय, प्रचलित फैशन आदि की जानकारी प्राप्त करना।

आवश्यक उपकरण

1–कम्प्यूटर प्रोजेक्टर
2–चार्ट पेपर
3–फाइलें
4–सादा कागज
5–दैनिक उपभोग से सम्बन्धित प्रमुख उत्पाद।